

01/02/2024

पत्रां पेक्षा इती बार-बार आवाज
लजवाई गई। कोई उपाय नहीं।
पुर्ववादी गणों की लकी हेतु पूर्व में
भी अनेक बार मौके दिए जा
चुके हैं। अतः हावा अहम लकील
अहम परकी में खारिज दिया जाता

है।

पत्रां पुस्तक शुभाह होकर नम
ले कम की जाकर हाखिल दफ्तार है।

